DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-- Hindustan Times
NEW DELHI
THURSDAY
MAY 22, 2025

{ ON TRACK } DDA PLANS STP LINK TO LAKE

Kitchener clean-up on: NGT told

Jasjeev Gandhiok
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Corrective measures to revive Kitchener Lake near Dhaula Kuan have improved its water quality, and the Delhi Development Authority (DDA) is planning a long-term solution—such as connecting the waterbody to a sewage treatment plant (STP), the agency informed the National Green Tribunal (NGT).

DDA said it had initiated clean-up efforts even before the court's directions, which followed a public petition. A tender was floated for in situ measures like bioremediation and lake cleaning. "The concerned office of the answering respondent (DDA) had floated a tender. The previous work was awarded on August 6, 2024, with work commencing on August 16," it said in a report dated April 20, submitted to the NGT this week.

The DDA was responding to a plea filed by Delhi resident Anil Sood in November 2024, in which he alleged that the lake had turned green, likely due to sewage discharge.

He said he visited the area in 2023 and later wrote to the LG and the DDA but received no response.

Following his petition, the NGT issued a notice to DDA in November, directing steps for reviving the 66-acre lake.

DDA said work continued until March 3, after which a new tender has been floated for manpower to continue cleaning operations. "A new tender has been floated which is expected to be finalized by next month. Once awarded, the work shall be undertaken as per the new terms," the report said.

A view of Kitchener Lake in early May. HT PHOTO

Water samples collected from the lake on January 11, February 6, March 6, and May 10 indicated a gradual improvement in quality. "The samples show a reduction in suspended solids and an overall improvement in water quality. It is pertinent to note that the level of water in Kitchener Lake is being tested against drinking water standards," the DDA stated.

For a long-term solution, DDA proposed connecting the lake to an STP at RR Base Hospital, adjacent to Jheel Park, as surplus treated water is available there. Since the lake falls within the Ridge, where construction is restricted, the agency said laying a pipeline would require minimal excavation and necessary approval from the Ridge Management Board.

In 2023, DDA attempted to remove encroachments—including a 100-year-old mosque, graveyard, and school—around the lake but was restrained by a Delhi high court stay.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS--- नई दिल्ली, 22 मई, 2025 दैनिक जागरण TED---

पल्ला गांव के पास 85 साल बाद दिखा भूरे रंग का भारतीय भेड़िया!

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली: दिल्ली के यमुना के मैदानी क्षेत्र में पल्ला गांव के निकट भूरे रंग का दुर्लभ भारतीय भेड़िया देखा गया है। यमुना के जैव विविधता पार्क के अधिकारियों का कहना है कि यह भेड़िया प्रथम दृष्टया भारतीय भेड़िया ही प्रतीत होता है। वन्य जीव प्रेमी ने इस भेड़िये का फोटो लेने में सफलता प्राप्त की। विशेषज्ञों का मानना है कि यह भूरे रंग का भारतीय भेड़िया 85 वर्ष के बाद राजधानी क्षेत्र में देखा गया है। वन्य जीव प्रेमी इस घटना को सुखद और दुर्लभ मान रहे हैं, जबकि वन्य जीव विभाग ने क्षेत्र में भेड़िये की उपस्थिति की पुष्टि नहीं की है।

पल्ला गांव के पास के मैदानी क्षेत्र में यह भेड़िया देखा गया, जहां यमुना नदी दिल्ली में प्रवेश करती है। पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार को वन्य जीव प्रेमी और छायाकार हेमंत गर्ग ने इसे देखा और इसका फोटो कैप्चर किया। हेमंत गर्ग ने बताया कि यह भेड़िया गहरे भूरे रंग का था

पल्ला गांव के पास यमुना किनारे घूमते हुए भेड़िया। यह चित्र वन्य जीव प्रेमी हेमंत गर्ग ने खींचा है ●

और इसका चलने का अंदाज कुत्ते से भिन्न था। उन्होंने इस फोटो को वन्य जीव विशेषज्ञों के साथ साझा किया, जिन्होंने इसे भूरे रंग के भारतीय भेड़िये के समान बताया। यह प्रजाति दशकों से दिल्ली में आधिकारिक तौर पर दर्ज नहीं की गई है।

डीडीए यमुना जैव विविधता पार्क के प्रभारी और वरिष्ठ विज्ञानी फैयाज खुदसर ने कहा कि फोटो में यह स्पष्ट रूप से भेड़िया नजर आ रहा है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह भेड़िया है या इसकी हाइब्रिड नस्ल। भेड़िये का यहां दिखना दर्शाता है कि नदी वन्य जीवों के लिए एक कोरिडोर का काम कर रही है। पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश के आगरा-इटावा के पास चंबल में भी भेड़िया देखा गया था। चंबल में देखे गए भेड़िये और दिल्ली के पल्ला के पास देखे गए भेड़िये के बीच संबंध हो सकता है। विज्ञानी फैयाज खुदसर ने बताया कि 1940 में दिल्ली में भूरे रंग के भारतीय भेड़िये को देखे जाने की बात कही जाती है। फारेस्टर जीएन सिन्हा की ओर से 2014 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 1940 के दशक के बाद से राजधानी में भेड़िये के देखे जाने की कोई पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय भूरे रंग का भेड़िया घास के मैदानों, झाड़ियों और शुष्क पर्णपाती जंगलों में पाया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि रंग भिन्नता और फर की बनावट एक झुंड के भीतर उम्र, निवास स्थान और प्रभुत्व के आधार पर भिन्न हो सकती है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---- नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । गुरुवार, 22 मई 2025 DATED-----------

रोहिणी के नए स्कूल में शुरू हो सकते हैं दाखिले

Prachi.Yadav@timesofindia.com

File Photo

■ नई दिल्ली: हाई कोर्ट ने रोहिणी में बने नए सरकारी स्कूल को डेढ़ महीने के अंदर चालू करने के लिए जरूरी कदम उठाने का दिल्ली सरकार को निर्देश दिया। कोर्ट ने बुधवार को कहा कि इस बीच स्कूल में बच्चों के दाखिले की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। एक अनुमान के मुताबिक, इस स्कूल के चालू होने से आसपास के इलाकों में रहने वाले चार हजार से ज्यादा बच्चों को फायदा होगा।

चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने आदेश में कहा कि हमारे विचार से इस पूरे मामले को दिल्ली के एजुकेशन सेक्रेटरी के सामने रखा जाना चाहिए, जो संबंधित विभागों के साथ बातचीत कर व्यक्तिगत रूप से इस मामले को देखेंगे और स्कूल को जल्द से जल्द चालू कराने के लिए कदम उठाएंगे। हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार को फिलहाल इसके लिए 15 जुलाई तक का समय दिया है। साथ ही दिल्ली सरकार के वकील को हिदायत दी कि वह इसमें आने वाली किसी भी समस्या के लिए तत्काल हाई कोर्ट में आवेदन दायर करेंगे। कोर्ट ने स्कूल चालू करने में देरी के लिए दिल्ली सरकार की खिंचाई भी की। कोर्ट ने कहा कि इसमें अब जो भी काम बचे हैं, उन्हें इस डेढ़ महीने की अवधि में पूरा किया जा सकता है। 'हमारा प्रयास सामाजिक उत्थान' नाम के एक संगठन ने मामले में जनहित याचिका दायर की। एडवोकेट अशोक अग्रवाल और कुमार उत्कर्ष के जरिए दायर याचिका में कहा गया कि प्रेम नगर III, किराड़ी में नर्सरी से 12वीं क्लास तक के एक सरकारी स्कूल की बहुत जरूरत थी। इससे प्रेम नगर और इसके आसपास के इलाकों में रहने वाले बच्चों को फायदा होता। इलाके में एक भी सरकारी स्कूल न होने से बच्चों को मुंडका, नांगलोई या पश्चिम विहार जैसे दूर दराज इलाकों में पढ़ने के लिए जाना पड़ता है और इसके लिए वे हर रोज रेलवे लाइन क्रॉस करने का जोखिम उठाने को मजबूर हैं।

> HC ने डेढ़ महीने के अंदर स्कूल शुरू करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया

याचिका में आगे कहा गया कि हाई कोर्ट ने 24 सितंबर 2019 में याचिका का निपटारा करते हुए डीडीए को प्रेम नगर में नए स्कूल का निर्माण करने के लिए जमीन देने पर विचार करने का निर्देश दिया था। 2021 में अवमानना याचिका दायर की गई। इस पर डीडीए ने रोहिणी फेज-V, इंडस्ट्रियल एरिया में सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निर्माण के लिए 4001 वर्ग मीटर जमीन डायरेक्टर ऑफ एजुकेशन (लैंड एंड एस्टेट ब्रांच), जीएनसीटीडी को दी। दलील दी गई कि स्कूल बिल्डिंग बनकर तैयार है।

हिन्दुस्तान
नई दिल्ली, गुरुवार, 22 मई 2025

नई आवासीय योजना के लिए 27 से बुकिंग शुरू

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की 7500 फ्लैटों की अपना घर आवास योजना 2025 शुरू हो गई। योजना के लिए फ्लैटों की बुकिंग प्रक्रिया डीडीए की वेबसाइट पर 27 मई दोपहर 12 से शुरू हो रही है। फ्लैट खरीदार डीडीए की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS------------ दैनिक जागरण नई दिल्ली, 22 मई, 2025 -------DATED---------------------

खुलते ही बंद हो चुके किराड़ी के सर्वोदय कन्या विद्यालय में अब हो सकेगी पढ़ाई

धर्मेंद्र यादव • जागरण

सर्वोदय कन्या विद्यालय की भव्य इमारत • जागरण आर्काइव

- हाई कोर्ट ने शिक्षा निदेशालय को लगाई फटकार, कहा- तत्काल शुरू करें दाखिला प्रक्रिया
- बिजली-पानी सुविधा उपलब्ध कराकर 15 जुलाई तक स्कूल को पूरी तरह संचालित किया जाए

बाहरी दिल्ली : एक स्कूल जो 40 साल के लंबे इंतजार के बाद खुलता है और अपनी भव्य इमारत के लोकार्पण के तत्काल बाद बंद भी हो जाता है, अब वहां पढ़ाई शुरू हो सकेगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने शिक्षा निदेशालय को स्कूल में दाखिला प्रक्रिया तत्काल शुरू करने का आदेश दिया है। साथ ही कहा है कि दाखिला प्रक्रिया चालू रहने के बीच ही स्कूल में बिजली-पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराकर इसे 15 जुलाई तक पूरी तरह से संचालित किया जाए। अदालत बुधवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

किराड़ी क्षेत्र के प्रेमनगर में स्थित इस सर्वोदय कन्या विद्यालय की इमारत का निर्माण भी हाई कोर्ट के आदेश के बाद हुआ था। वर्ष 2019 में सामाजिक कार्यकर्ता मोहन पासवान और वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने इसके लिए हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की थी। मामला अदालत में पहुंचने पर दिल्ली विकास प्राधिकरण ने महज 41 रुपये में करीब चार हजार गज जगह स्कूल के लिए आवंटित की थी। 2021 में इमारत बनाने का काम शुरू हुआ। छह जनवरी, 2025 को विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच तत्कालीन मुख्यमंत्री आतिशी ने इसका लोकार्पण किया था। आसपास के लोगों ने अपने बच्चों का दाखिला यहां कराने के लिए पुराने स्कूल से उनके नाम कटवा दिए। पांच महीने बाद ही यह स्कूल इस नोटिस के साथ बंद कर दिया गया कि दाखिला लेने बाद में आना। बताया गया कि बिजली-पानी का कनेक्शन नहीं होने की वजह से स्कूल का चालू होना संभव नहीं है।

स्कूल बंद होने के बाद मामला फिर हाई कोर्ट पहुंचा। अदालत भी यह जानकर हैरान रह गई कि जिस स्कूल की इमारत उसके आदेश के बाद तैयार हुई, वहां बिजली, पानी और सीवर का कनेक्शन नहीं होने के कारण दाखिला प्रक्रिया बंद कर दी गई है। इस पर मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने नाराजगी जाहिर की। हमारा प्रयास सामाजिक उत्थान संस्था की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि वर्ष 2019 में स्कूल के निर्माण का आदेश दिया गया था और अभी 2025 चल रहा है। छह साल बीतने के बाद भी स्कूल का शुरू नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। यही नहीं, स्कूल शुरू नहीं हो पाने से चार हजार से ज्यादा बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। दुखद यह है कि शिक्षा विभाग छोटी-छोटी चीजों को पूरा नहीं कर पा रहा है। अदालत ने इस मामले से जुड़ी फाइलें शिक्षा सचिव के समक्ष रखने का निर्देश दिया। साथ ही शिक्षा विभाग, पीडब्ल्यूडी, डीडीए के अधिकारियों को अगली सुनवाई पर स्थिति रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया।

अभिभावकों की आवाज बना दैनिक जागरण

किराड़ी इलाके में सर्वोदय कन्या विद्यालय के लोकार्पण के बाद लोगों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर काफी उम्मीदें जगी थीं जो स्कूल में दाखिला प्रक्रिया बंद होने की नोटिस के साथ बुझ भी गईं। ऐसे समय में दैनिक जागरण इन मायूस अभिभावकों की आवाज बना। इस मुद्दे को दैनिक जागरण लगातार प्रमुखता के साथ उठाता रहा। इसकी पहली रिपोर्ट 14 मई को प्रकाशित की गई। इसके बाद शिक्षा विभाग के अधिकारी स्कूल पहुंचे और सुविधाओं का जायजा लिया। इसी दौरान 16 मई को हमारा प्रयास सामाजिक उत्थान संस्था ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की जिस पर अदालत ने दाखिला प्रक्रिया तत्काल शुरू करने का आदेश देकर अभिभावकों-छात्रों को राहत प्रदान की।

- 40 साल के लंबे इंतजार के बाद किराड़ी के प्रेमनगर में बनना शुरू हुआ था स्कूल
- उस समय भी अदालत ने दिया था आदेश और अब फिर उसी के आदेश पर शुरू होंगे दाखिले

40 साल बाद खुला सरकारी स्कूल, अब कह रहा प्रवेश लेने के लिए बाद में आना

पत्र ही नहीं, मित्र भी... अपने इस जन सरोकार के साथ दैनिक जागरण ने स्कूल में दाखिला शुरू कराने के लिए चलाया समाचारीय अभियान।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS------- THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI THURSDAY, MAY 22, 2025 ---DATED---------------------

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---- THE INDIAN EXPRESS, THURSDAY, MAY 22, 2025

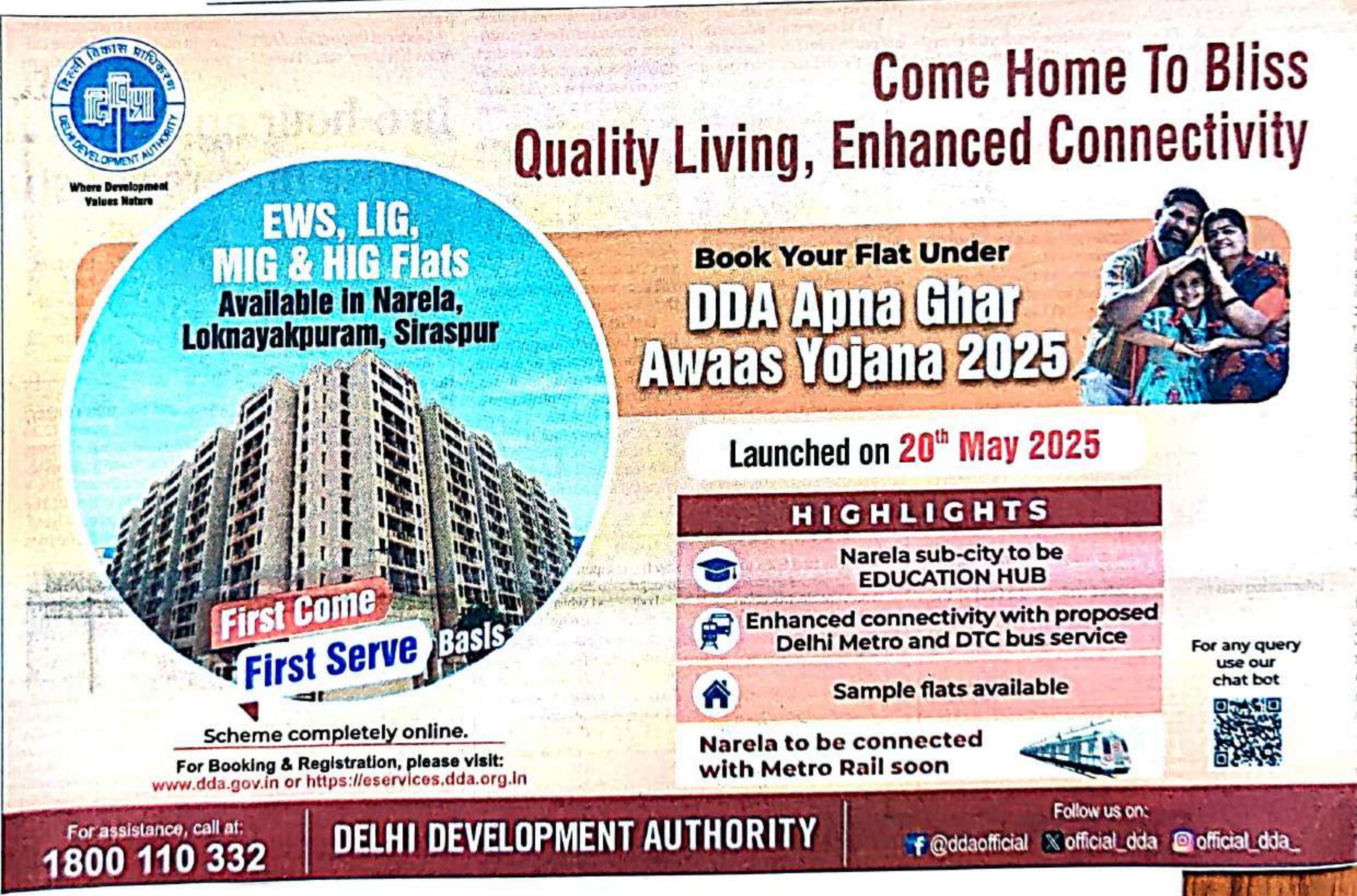

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-------------- नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । गुरुवार, 22 मई 2025 ----------------

दिल्ली विकास प्राधिकरण DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

Where Development Values Nature

घर आएं और खुशियाँ पाएं
बेहतरीन ज़िंदगी, उत्तम कनेक्टिविटी

नरेला, लोकनायकपुरम, सिरसपुर में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी और एचआईजी फ्लैट्स उपलब्ध हैं

पहले आओ पहले पाओ के आधार पर

बुक करें अपना फ्लैट

डीडीए अपना घर आवास योजना 2025

20 मई 2025 से आरंभ

मुख्य आकर्षण

- नरेला सब–सिटी बनेगी शिक्षा का केंद्र
- प्रस्तावित दिल्ली मेट्रो और डीटीसी बस सेवाओं से बेहतरीन कनेक्टिविटी
- सैंपल फ्लैट्स उपलब्ध

नरेला जल्द ही जुड़ेगा मेट्रो रेल से

किसी भी क्वेरी के लिए हमारे चैटबॉट का प्रयोग करें

योजना पूरी तरह से ऑनलाइन है।

बुकिंग और रजिस्ट्रेशन के लिए, कृपया देखें: www.dda.gov.in या https://eservices.dda.org.in

सहायता के लिए, कॉल करें: 1800 110 332

दिल्ली विकास प्राधिकरण

हमें फॉलो करें: @ddaofficial official_dda official_dda_

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

amarujala.com

NAME OF NEWSPAPERS------ नई दिल्ली | बृहस्पतिवार, 22 मई 2025 TED-----------------------

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-------- दैनिक भास्कर नई दिल्ली, गुरुवार 22 मई, 2025 -----DATED---------------------

अपना आशियाना होगा, 27 मई से शुरू होगी 7,500 फ्लैटों की बिक्री

डीडीए ने 'पहले आओ-पहले पाओ' स्कीम के तहत लॉन्च की 'अपना घर योजना 2025'

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

दिल्ली में घर खरीदने वालों के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एक बार फिर सुनहरा अवसर लेकर आया है। डीडीए ने एक बार फिर से 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर 'अपना घर आवास योजना 2025' के तहत 7,500 फ्लैट्स की घोषणा की है। यह योजना 27 मई से शुरू हो रही है।

डीडीए के अधिकारियों के अनुसार, इस योजना के तहत एक विस्तृत नोटिस जारी किया गया है, जिसमें फ्लैट्स की श्रेणियां, स्थान, कीमतें व प्रक्रिया से जुड़ी सभी जानकारी दी गई हैं। यह फ्लैट्स मुख्य रूप से बाहरी दिल्ली के सिरसपुर, लोकनायक पुरम व नरेला क्षेत्रों में स्थित हैं और इनमें ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी और एचआईजी कैटेगरी के फ्लैट्स शामिल हैं। डीडीए के अधिकारियों का कहना है कि इस बार प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया गया है। फ्लैट्स की बुकिंग डीडीए की वेबसाइट के जरिए की जा सकेगी। इच्छुक खरीदार अपने घर बैठे ऑनलाइन ही आवेदन कर सकेंगे। फ्लैटों के भुगतान की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। सभी दस्तावेज भी डिजिटल रूप में जमा होंगे। इस योजना को लेकर डीडीए ने तकनीकी सहयोग के लिए एक नया पोर्टल विकसित किया है। इसमें होम लोन, प्रॉपर्टी डिटेल्स, फोटो और वीडियो टूर जैसी सुविधाएं एक ही जगह पर उपलब्ध मिलेंगी। इससे खरीदारों को निर्णय लेने में आसानी होगी। वे फ्लैट्स का आभासी अनुभव भी ले सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, डीडीए द्वारा अगले दो वर्षों में लगभग 1371 एकड़ जमीन पर आवासीय परियोजनाएं विकसित की जाएंगी।

...पर, लोग खरीदना नहीं चाह रहे डीडीए के फ्लैट

डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि योजना का उद्देश्य दिल्ली में मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोगों को सस्ते और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराना है। डीडीए द्वारा उन्हीं फ्लैटों को बेचने के लिए बार-बार प्रयास किया जा रहा है, लेकिन लोग डीडीए के फ्लैट्स नहीं खरीदना चाह रहे हैं। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की निर्माण समिति के पूर्व अध्यक्ष और शहरी मामलों के जानकार जगदीश ममगाई इसके पीछे की वजह बताते हैं कि डीडीए द्वारा बनाए गए फ्लैट्स की गुणवत्ता बहुत ही खराब है। काफी दिनों के बनाए गए मकानों के प्लास्टर टूट कर गिर रहे हैं। ऐसे में मकान खरीदने वालों को जान का खतरा सताता है। डीडीए द्वारा सिग्नेचर अपार्टमेंट बनाया गया था, जिसमें 2-2 करोड़ रुपए खर्च कर लोगों ने फ्लैट खरीदे थे। 5 साल में ही बिल्डिंग को जर्जर घोषित कर दिया गया। सिग्नेचर अपार्टमेंट यह मामला कोर्ट में भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि जर्जर हालत को देखते हुए लोग डीडीए के फ्लैट्स नहीं खरीदना चाह रहे हैं। डीडीए को निर्माण में क्वालिटी बढ़ानी चाहिए और जर्जर फ्लैटों के निर्माण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।